

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के डॉ. जाकिर हुसैन हॉल ऑफ बॉयज़ रेजिडेंस ने वार्षिक समारोह "शर्म-ए-तरब" को आयोजित किया ।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डॉ. जाकिर हुसैन हॉल ऑफ बॉयज़ रेजिडेंस ने दिनांक 30 अप्रैल 2024 को अपना वार्षिक दिवस "शर्म-ए-तरब" मनाया, जहां इस हॉल के निवासी छात्रों द्वारा प्रतिभा एवं सौहार्द का जीवंत प्रदर्शन किया गया। पवित्र कुरान के पाठ और तदुपरांत श्रद्धा एवं उत्सव का माहौल बनाते हुए 'जामिया तराना' की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

कार्यक्रम का संचालन हॉल के छात्रों द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया जिनका पूरे कार्यक्रम में सहज समन्वय एवं प्रवाह अद्भुत था। जामिया के कार्यकारी कुलपति प्रो इकबाल हुसैन समारोह के मुख्य अतिथि थे। इसके अतिरिक्त कई अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। छात्र स्वयंसेवकों ने मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें प्रतीक स्वरूप पौधे भेंट किए।

वार्षिक समारोह में छात्रों ने कई सांस्कृतिक और मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दीं, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ कविता पाठ, कव्वाली, गज़ल, बॉलीवुड गीत एवं मुशायरा सहित गायन में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विशेष तौर पर इस हॉल की वार्षिक पत्रिका "अक़दार-2024" के विमोचन और वितरण ने शाम को साहित्यिक माहौल वाला बना दिया।

मेहमानों द्वारा प्रशंसा निवासी छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को स्वीकार किया गया, उनकी प्रशंसा की गई और जश्न मनाया गया। इसके अतिरिक्त, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलों के विजेताओं को उनके योगदान, छात्रावास समुदाय में उत्कृष्टता तथा भागीदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु उचित मान्यता दी गई।

अतिथियों ने अपने व्यावहारिक विचारों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और छात्रों को कैरियर योजना और शैक्षणिक गतिविधियों की यात्रा के बारे में बहुमूल्य सलाह दी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कार्यकारी कुलपति प्रो इकबाल हुसैन ने अपने छात्र जीवन की भावनात्मक यादें साझा कीं और कोर्स पूरा करने वाले छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए गुरु मंत्र बताए और प्रोत्साहित किया ।

यह कार्यक्रम भव्य रात्रिभोज के साथ इस बात पर विचार करते हुये समाप्त हुआ कि एकजुटता की भावना को बढ़ावा दिया जाए और इस बात के लिए प्रयास किया जाए कि "शर्म-ए-तरब" - 2024 की यादें कार्यक्रम में भाग लेने वालों के दिलों में अमिट बनकर रह जाए । आयोजकों, प्रतिभागियों तथा मेहमानों के सहयोगात्मक प्रयासों ने इस कार्यक्रम की सफलता को सुनिश्चित किया । इसे छात्रावास के वार्षिक कैलेंडर में एक यादगार आकर्षण के रूप में चिह्नित किया गया। प्रो नदीम अहमद ने "शर्म-ए-तरब" को सफल बनाने में सभी प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों, मेहमानों और आयोजकों के अमूल्य योगदान के लिए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया ।